



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 587]
No. 587]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 9, 2005/ज्येष्ठ 19, 1927
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 9, 2005/JYAISTHA 19, 1927

विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 9 जून, 2005

का.आ. 798(अ).—विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है) 10 जून, 2003 को प्रवृत्त हुआ;

और अधिनियम की धारा 43 की उपधारा (1) यह उपबंध करती है कि प्रत्येक वितरण अनुज्ञितधारी जब उसे किसी परिसर के स्वामी या अधिभोगी द्वारा आदेश किया जाए, ऐसे परिसर को, ऐसे प्रदाय की अपेक्षा करने वाले आवेदन की प्राप्ति के पश्चात् एक मास के भीतर, विद्युत प्रदाय करेगा;

और वितरण अनुज्ञितधारी से एकल बिंदु पर विद्युत का प्रदाय अभिप्राप्त करने में कठिनाई उद्भूत हुई है;

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार, अधिनियम की धारा, 183 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सहकारी समूह आवास सोसाइटी द्वारा या किसी व्यक्ति द्वारा उसी परिसर में निवास करने वाले उसके सदस्यों या उसके कर्मचारियों के लिए वितरण अनुज्ञितधारी से एकल बिंदु पर विद्युत का प्रदाय अभिप्राप्त करने के संबंध में, कठिनाइयों को दूर करने के लिए, जो अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हों, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.— (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम विद्युत (कठिनाइयों को दूर करना) (आठवां) आदेश, 2005 है।

(2) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

2. वितरण अनुज्ञितधारी द्वारा सहकारी समूह आवास सोसाइटी को एकल बिंदु पर विद्युत का प्रदाय.—वितरण अनुज्ञितधारी ऐसी सहकारी समूह आवास सोसाइटी, जो परिसर के स्वामी है, द्वारा आवेदन किए जाने पर ऐसे निबंधनों और शर्तों पर, जो राज्य आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, को आवासीय प्रयोजनों हेतु एकल बिंदु पर उसी परिसर में रहने वाले ऐसी सोसाइटी के सदस्यों को विद्युत उपलब्ध कराने के लिए विद्युत का प्रदाय करेगा;

परंतु यह कि इस खंड के उपबंध ऐसे निबंधनों और शर्तों पर जो राज्य आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, क्षेत्र के वितरण अनुज्ञितधारी से प्रत्यक्षतः विद्युत के प्रदाय की मांग करने के लिए ऐसी सहकारी समूह आवास सोसाइटी द्वारा विक्रीत या पट्टे वाले आवास यूनिटों में रहने वाले व्यक्ति के अधिकार को किसी भी रूप में प्रभावित नहीं करेगी।

3. वितरण अनुज्ञापितारी द्वारा किसी व्यक्ति को उसके कर्मचारियों के लिए एकल बिन्दु पर विद्युत का प्रदाय.—वितरण अनुज्ञापितारी किसी व्यक्ति द्वारा आवेदन किए जाने पर ऐसे निबंधनों और शर्तों पर जो राज्य आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, आवासीय प्रयोजनों के लिए एकल बिन्दु पर उसी परिसर में रहने वाले उसके कर्मचारियों को विद्युत उपलब्ध कराने के लिए, विद्युत का प्रदाय करेगा।

[फा. सं. 25/4/2004-आर एण्ड आर]

अजय शंकर, अपर सचिव

MINISTRY OF POWER
ORDER

New Delhi, the 9th June, 2005

S.O.798(E).—Whereas the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) (hereinafter referred to as the Act) came into force on the 10th June, 2003;

And whereas the sub-section (1) Section 43 of the Act provides that every distribution Licensee, shall, on an application by the owner or occupier of any premises, give supply of electricity to such premises, within one month after receipt of the application requiring such supply;

And whereas difficulties have arisen in obtaining the supply of electricity at single point from the distribution licensee;

Now, therefore, the Central Government in exercise of its powers conferred by Section 183 of the Act hereby makes this order in respect of obtaining supply of electricity at single point from the distribution licensee by the Cooperative Group Housing Societies or by any person for their members or his employees residing in the same premises, not inconsistent with the provisions of the Act, to remove the difficulties, namely :—

1. Short Title and Commencement.— (1) This order shall be called the Electricity (Removal of Difficulties) (Eighth Order, 2005.

(2) This order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Supply of electricity at single point by the distribution licensee to a Cooperative Group Housing Society.—A distribution licensee shall give supply of electricity for residential purposes on an application by a Cooperative Group Housing Society which owns the premises at a single point for making electricity available to the members of such Society residing in the same premises on such terms and conditions as may be specified by the State Commission :

Provided that the provisions of this clause shall not in any way affect the right of a person residing in the housing unit sold or leased by such a Cooperative Group Housing Society to demand supply of electricity directly from the distribution licensee of the area on such terms and conditions as may be specified by the State Commission.

3. Supply of electricity by distribution licensee at single point to a person for his employees.—A distribution licensee shall give supply of electricity for residential purposes on an application by a person at a single point for making electricity available to his employees residing in the same premises on such terms and conditions as may be specified by the State Commission.

[F. No. 25/4/2004-R & R]

AJAY SHANKAR, Addl. Secy.